RNI NO.- MPBIL/2020/79198

उद्घोष समय

वर्ष 05 अंक 79 | सतना, सोमवार 08 सितंबर, 2025 | पृष्ठ: 4, मूल्य : 1 रूपए

देवतालाब, बनारस और प्रयागराज धार्मिक क्षेत्र का अनूठा त्रिकोण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देवतालाब शिव मंदिर में होगा शिवलोक का निर्माण,बहुती जल प्रपात को विकसित करेगा पर्यटन विकास निगम

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कहा है कि शिव मंदिर देवतालाब अद्भुत है। यहां पांच तत्वों का आभास होता है। ऐसा अद्भुत मंदिर केवल विश्वकर्मा जी ही बना सकते हैं। देवतालाब, बनारस और प्रयागराज महत्वपूर्ण धार्मिक त्रिकोण है। देवतालाब आस्था, इतिहास और आनंद का संगम है। यह श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि है। ऐसी मान्यता है कि देवतालाब के शिव का दर्शन करने पर ही चारधाम की यात्रा का फल मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मऊगंज के देवतालाब स्टेडियम में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 241 करोड़ 33 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास कर विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये और मऊगंज को विकास की अनेक सौगातें देते हुए घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्यापूजन कर मऊगंज के संयुक्त जिला कार्यालय भवन का शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारे गांव स्वावलम्बन की अद्भुत मिसाल हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में स्वदेशी को अपनाते हुए आत्मनिर्भरता और स्वावलम्बन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट है। हमारी इस सामर्थ्य के परिणामस्वरूप ही देश की कीर्ति गाथा सम्पूर्ण विश्व में गूंज रही है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का कथन की ÷21वीं सदी भारत की होगी÷ साकार हो रहा है। गर्व का विषय है कि स्वामी विवेकानंद अर्थात श्रद्धेय नरेन्द्र नाथ दत्त की भावना को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चरितार्थ किया है। देश

के गरीब, युवा, अन्नदाता और महिलाओं का कल्याण तथा विकास तपोनिष्ठ प्रधानमंत्री श्री मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सौभाग्य का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसी माह प्रदेश आगमन के लिए स्वीकृति प्रदान की है। राज्य सरकार ने प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में विकास और जनकल्याण के लिए कभी भी संसाधनों की कमी नहीं होने दी, इसी का परिणाम है कि प्रदेश में चहुंओर विकास का परचम लहरा रहा है। जबकि अन्य दलों की सरकारें विकास के लिए सदैव संसाधनों के अभाव का बहाना बनाती रहीं।

विश्व की सभी महत्वपूर्ण नीतियों के निर्धारण में भारत है केंद्र बिंदु

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज और काशी विश्वनाथ के बीच बसा यह स्थान देवताओं की अभिरुचि की अभिव्यक्ति है। उनके स्वयं के लिए भी देवतालाब आगमन सदैव सुखद और भाग्यशाली रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति ने विश्व को मानवता का विचार देते हुए जीवन जीने का सही मार्ग प्रशस्त किया। वर्तमान में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रभावशीलता के परिणाम स्वरूप विश्व की सभी महत्वपूर्ण नीतियों के निर्धारण में भारत केंद्र बिंदु बना हुआ है। यह हम सबके लिए गर्व-गौरव और स्वाभिमान का विषय है कि अमेरिका हो या दुनिया का कोई भी अन्य बड़ा देश, सभी प्रधानमंत्री श्री मोदी की स्वीकार्यता के लिए उत्सुक हैं।

खेत में किसान और सीमा पर जवान का सम्मान हमारी सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेत में किसान और सीमा पर जवान दोनों का सम्मान हमारी सरकार के लिए सर्वोपरि है। किसान सम्मान निधि तथा अन्य प्रोत्साहन गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। पर्याप्त सिंचाई और बिजली की उपलब्धता प्रदेश के सभी क्षेत्रों में सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हनुमना उद्वहन सिंचाई परियोजना मंजूर की गई है। जिससे रीवा, सीधी, सिंगरौली और मऊगंज जिलों की एक लाख 40 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। रीवा के सोलर प्लांट की बिजली से दिल्ली की मेट्रो रेल दौड़ रही है। मऊगंज के घुरेहटा में बाबा रामदेव के पतंजलि संस्थान द्वारा एक हजार करोड़ रुपए की लागत से कृषि पर आधारित उद्योगों का विकास किया जा रहा है। इससे लाखों किसान लाभान्वित होंगे। उज्ज्वला गैस योजना से 64 हजार से अधिक गैस के कनेक्शन दिए गए हैं। मऊगंज में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 44 हजार गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के आवास मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों के खाते में जारी की जा रही राशि दीपावली के बाद से 1500 रुपए प्रतिमाह की जाएगी, जिसे वर्ष 2028 तक प्रतिमाह 3 हजार रुपए किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मऊगंज जिले और देवतालाब विधानसभा क्षेत्र को अनेक सौगातें दीं। मुख्यमंत्री ने देवतालाब शिव मंदिर में शिवलोक के निर्माण और नईगढ़ी एवं देवतालाब में तहसील भवन निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवतालाब के अस्पताल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन किया जायेगा। देवतालाब के शासकीय महाविद्यालय में ऑडिटोरियम और अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया जाएगा। अनुसूचित जाति और जनजाति विद्यार्थियों के लिए दो छात्रावास भवन बनाए जाएंगे। बहुती जल प्रपात को पर्यटन विकास निगम के माध्यम से विकसित किया जायेगा। अष्टभुजी माता मंदिर में सौंदर्यीकरण और जनजाति अंचल में टीपा बदोर से गढ़वा रोड तक 11 किलोमीटर की सड़क बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में बनारस से आये लोक कलाकारों द्वारा दी गई सांगीतिक प्रस्तुति की सराहना की और लोक कलाकारों को 25 हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा की। लोक नृत्य प्रस्तुत करने वाले दल के प्रत्येक सदस्य को 5-5 हजार रुपए और स्वागत गीत गाने वाली लोक गायिका राखी द्विवेदी को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने 2 साल से कम समय में जो विकास किया है वह ऐतिहासिक है। उन्होंने विकास योजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी। आज मऊगंज को 241 करोड़ रुपए की सौगात मिली है। क्षेत्र में सड़क, नहर और माइक्रो इरिगेशन परियोजना से विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने हनुमना उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिए 6 हजार करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

लालबाग के राजा का विसर्जन, ऊंची लहरों की वजह से हुई देरी

मुंबई एजेंसी। मुंबई के सबसे प्रसिद्ध गणपति पंडाल लालबाग के राजा का समुद्र में विसर्जन रविवार को अचानक आई समुद्र में ऊंची लहरें के कारण देर से हुआ। यह पहली बार है जब इस तरह की स्थिति के चलते विसर्जन समय पर नहीं हो पाया। हर साल की तरह इस बार भी मूर्ति को दक्षिण मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर सुबह 9 बजे से पहले गहरे समुद्र में विसर्जित करने की तैयारी थी। लेकिन रविवार तड़के जब मूर्ति चौपाटी पहुंची, उसी समय समुद्र में पानी का तेज बहाव शुरू हो गया। समुद्र में ऊंची लहरें की वजह से मूर्ति को ले जाने वाला प्लेटफॉर्म (मंच) पानी में तैरने लगा, जिससे उसे ठीक से राफ्ट (बड़ी नावनुमा बेड़ा) पर चढ़ाना मुश्किल हो गया। लगभग तीन घंटे तक मूर्ति कुछ फीट गहरे पानी में रही। इस दौरान 15 से 20 स्वयंसेवक और मछुआरे मिलकर उसे संभालते रहे। सुबह करीब 11¬40 बजे हाई टाइड 4.42 मीटर तक पहुंच गई थी। इस साल मंडल ने मूर्ति को विसर्जन के लिए एक नया, बड़े आकार का राफ्ट तैयार किया है। सुबह से ही हजारों भक्त गिरगांव चौपाटी पर अपने प्रिय बप्पा के अंतिम दर्शन के लिए मौजूद रहे। भीड़ को संभालने के लिए नगर निगम और पुलिस अधिकारी चौकसी के साथ निगरानी करते रहे। साकीनाका क्षेत्र में रविवार सुबह गणेश मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जहा एक करंट वाला तार मूर्ति को छू गया, जिससे पास खड़े 6 भक्त करंट की चपेट में आ गए। यह घटना खैरानी रोड पर करीब 10¬45 बजे हुई। घायलों को तुरंत पास के निजी अस्पतालों और सात हिल्स अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बीनू सुकुमारन कुमारन को मृत घोषित कर दिया। सभी घायलों का इलाज पैरामाउंट अस्पताल में हो रहा है और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और इलाके में बिजली विभाग की टीम भी तैनात कर दी गई है, ताकि आगे कोई हादसा न हो।

वहीं पालघर जिले में गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तीन युवक नारंगी जेट्टी (विरार पश्चिम) पर विसर्जन के दौरान पानी के तेज बहाव में बह गए, लेकिन रो-रो नाव की मदद से उन्हें समय रहते बचा लिया गया। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 3 बजे हुई। विसर्जन के दौरान एक युवक अचानक फिसलकर पानी में गिर गया। उसे बचाने के लिए उसके दो दोस्त भी तुरंत पानी में कूद गए। लेकिन तेज धार और लो टाइड के कारण तीनों युवक बहकर जेट्टी से दूर चले गए। महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड के पोर्ट इंस्पेक्टर नवनीत निजाई को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत पास में मौजूद रो-रो नाव के कर्मचारी आदेष नाईक को सूचित किया। नाव को तुरंत घटना स्थल पर भेजा गया। जल्दी ही नाव मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यह रेस्क्यू ऑपरेशन कई एजेंसियों के सामूहिक प्रयास से सफल हुआ। जिलाधिकारी कार्यालय के आपदा प्रबंधन प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि समय पर सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण बड़ी त्रासदी टल गई।

भाजपा सांसदों की वर्कशॉप में सबसे पीछे बैठे मोदी,बोले-ये साथियों से सीखने के लिए अहम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बीजेपी की वर्कशॉप में शामिल हुए. पीएम मोदी वर्कशॉप में एक आम सांसद की तरह आखिरी पंक्ति में बैठे दिखे. कार्यशाला में पीएम की अध्यक्षता में सरकार की ओर से जीएसटी की दरों में कटौती पर प्रस्ताव पारित किया गया. उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले बीजेपी के सांसदों की दो दिन की वर्कशॉप हो रही है. रविवार सुबह 11 बजे से यह कार्यशाला शुरू हुई. पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जे पी नड्डा इसमें शामिल हुए.

इस वर्कशॉप में जीएसटी 2.0 पर पीएम मोदी का अभिनंदन और आभार व्यक्त किया गया. वर्कशॉप में सांसदों के लिए चार सत्र होंगे. पहला सत्र आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत, ईज ऑफ डूइंग और युवा शक्ति एवं रोजगार पर होगा. इसी के बाद दूसरा सत्र सांसदों की ओर से सोशल मीडिया के प्रभावी प्रयोग पर आयोजित किया गया है. तीसरा सत्र सांसदों की स्थायी समिति के समूहों का होगा. इसमें अलग-अलग मंत्रालयों की संसदीय समितियों के अनुसार सांसदों से चर्चा होगी. संसदीय समिति की कार्यवाही का महत्व, संसद सत्र की तैयारी, संसदीय नियमावली का इस्तेमाल, मंत्रालय रिपोर्ट का अध्ययन, अधीनस्थ विधान की जानकारी, सांसद के रूप में व्यवहार और सावधानी, दिशा बैठक में सहभागिता पर चर्चा होगी. चौथे सत्र में सागरीय क्षेत्र, लेफ्ट विंग क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र और पहाड़ी और उत्तर पूर्व क्षेत्र के बारे में चर्चा होगी. पीएम सूर्य घर योजना, टीबी मुक्त भारत, सांसद खेल, टिफिन बैठक और संसदीय क्षेत्रों में सक्रियता के नवाचार पर बात होगी.

सोमवार को सांसदों को उपराष्टपति चुनाव के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा. सोमवार को सासंदों को उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया, वोट करने का तरीका, वोटिंग का सावधानियां के बारे में बताया जाएगा. देश में 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति के चुनाव होने हैं. एनडीए ने चुनाव के लिए सीपी राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है. वहीं, विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी को मुकाबले में उतारा है. दोनों के बीच 9 सितंबर को टक्कर होगी. इसी दिन वोटिंग होगी और

नतीजे भी इसी दिन सामने आ जाएंगे. हालांकि, पीएम नरेंद्र मोदी उपराष्ट्रपति चुनाव के दिन 9 सितंबर को बढ़ से पीड़ित राज्य पंजाब का दौरा करेंगे. वो गुरदासपुर पहुंचकर वहां के हालात देखेंगे. इस दौरे को हर पंजाबवासी बड़ी ही उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि उम्मीद है कि पीएम मोदी पंजाब दौरे के दौरान किसी बड़े पैकेज की घोषणा कर सकते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाढ़ पीड़ितों के लिए आर्थिक पैकेज या मुआवजे का ऐलान कर सकते हैं. पंजाब में हालात बेहद खराब है. अब तक प्रदेश में बाढ़ की वजह से 46 लोगों की जान जा चुकी है. इसके अलावा लाखों लोगों की जान और माल का नुकसान हुआ है.लगभग 2 हजार गांव बाढ़ की चपेट में हैं और 2 लाख हेक्टेयर फसल भी खराब हो चुकी है.

जीएसटी के फायदे बताने उतरेगी भाजपा नेताओं की टीम, मंत्रियों को भी मिलेगी जिम्मेदारी

केंद्र सरकार ने जीएसटी की चार दरों को केवल पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत में समेट दिया है। इससे देश के हर आम परिवार को 10 से 15 हजार रुपये प्रति वर्ष की बचत हो सकती है। जीएसटी की दरों में कमी का अर्थव्यवस्था और आम आदमी के जीवन पर क्या असर पड़ सकता है, यह बताने के लिए भाजपा जल्द ही अपने शीर्ष नेताओं को जमीन पर उतार सकती है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा के संगठन के पदाधिकारी, सांसद-विधायक और राज्य सरकारों में मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री प्रेस कांफ्रेंस और अन्य कार्यक्रम कर लोगों को जीएसटी दरों में होने वाली कमी के लाभ बताएंगे। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से एक पखवाड़े का सेवा कार्यक्रम भी मनाने जा रही है। इसमें केंद्र सरकार के कार्यों का लाभ आम जनता तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। इस योजना में जगह-जगह कार्यक्रम कर लोगों को केंद्र सरकार के कार्यों की जानकारी दी जाएगी। अब इन कार्यक्रमों के साथ-साथ भाजपा नेता लोगों को जीएसटी दरों में कमी के बारे में भी जानकारी देंगे।

अशोक स्तंभ को लेकर कश्मीर में मचा बवाल

पुलिस ने 25 से अधिक लोगों को लिया हिरासत में

श्रीनगर एजेंसी। हजरतबल दरगाह में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिन्ह लगाने को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद उसे तोड़ दिया गया और पुलिस ने इस मामले में 25 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वक्फ बोर्ड से माफी मांगने को कहा, जबकि राजनीतिक दलों ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

श्रीनगर स्थित प्रसिद्ध हजरतबल दरगाह में लगे अशोक चिन्ह (राष्ट्रीय प्रतीक) को क्षतिग्रस्त करने के मामले में 25 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। यह घटना शुक्रवार की जुमे की नमाज के बाद सामने आई थी, जिसके बाद इलाके में विवाद और राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और अन्य वीडियो की जांच के आधार पर इन लोगों को हिरासत में लिया गया है, हालांकि अब तक किसी की औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस पूरे विवाद की शुरुआत गुरुवार को हुई जब हजरतबल दरगाह, जहां पैगंबर मोहम्मद की एक पवित्र निशानी रखी गई है, में अशोक स्तंभ (राष्ट्रीय प्रतीक) वाला एक पट्टिका लगाया गया। शुक्रवार को नमाज के बाद कुछ श्रद्धालुओं ने इसे इस्लामी एकेश्वरवाद (तौहीद) के विरुद्ध मानते हुए तोड़ दिया और हटा दिया। इस घटना के बाद राजनीतिक दलों और संगठनों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

नेशनल कॉन्फ्रेंस पीडीपी और माकपा ने इस कदम को

भड़काऊ और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया और वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन दरख्शां अंद्राबी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वक्फ बोर्ड को अपनी गलती मानते हुए माफी मांगनी चाहिए थी। सरकारी प्रतीक चिह्न धार्मिक स्थलों में इस्तेमाल नहीं होते। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा या दरगाह ये सरकारी संस्थान नहीं हैं।वहीं, बीजेपी ने इस तोड़फोड़ की घटना की निंदा करते हुए इसे आतंकवाद और अलगाववाद को दोबारा उकसाने की कोशिश बताया। इस बीच, दरख्शां अंद्राबी ने उन लोगों को %गुंडा% कहकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की, यहां तक कि सख्त सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज करने की बात भी कही। इस पर उमर अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी कि पहले तो माफी मांगनी चाहिए थी, अब धमकियों का सहारा लिया जा रहा है। वक्फ बोर्ड ने जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

क्या चुनाव आयोग भाजपा का ऑफिस बना : खड़गे

वोटर फ्रॉड की जानकारी रोकी; कर्नाटक की अलंद सीट पर गड़बड़ी का मामला

नई दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्वाचन आयोग पर अहम जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग वोट चोरी के लोगों को बचा रहा है। खरगे ने तंज कसते हुए सवाल किया, क्या भारत चुनाव आयोग अब वोट चोरी के लिए बीजेपी का बैक-ऑफिस बन गया है?

मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को एक सोशल मीडिया पर एक रिपोर्ट शेयर की, जिसमें दावा किया गया था कि 2023 कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले फॉर्म सात में जालसाजी कर वोटरों को हटाने के प्रयास से संबंधित मामला ठंडा पड़ गया है। क्योंकि चुनाव आयोग ने आरोपियों को पकड़ने के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ें शेयर नहीं किए हैं।

चुनाव आयोग ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

चुनाव आयोग की तरफ से खरगे के इन आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हालांकि कांग्रेस व विपक्षी दल इस तरह के आरोप पहले भी लगा चुके हैं, जिन्हें चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया था। खरगे ने एक्स पर प्रश्न पूछते हुए कहा, क्या निर्वाचन आयोग अब बीजेपी का वोट चोरी का अड्डा बन गया है?% उन्होंने कहा, घटनाक्रम को समझाते हुए कहा, मई 2023 के कर्नाटक चुनावों से पहले कांग्रेस ने अलंद

निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। फॉर्म सात में जालसाजी कर एक बेहद जटिल प्रक्रिया के जरिए हजारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिए गए। खरगे ने कहा, फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदन सामने आए जो मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का स्पष्ट प्रमाण था। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, लेकिन दिक्कत यहां है¬ जहां आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए जरूरी दस्तावेजों का एक हिस्सा साझा किया था, वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी छिपा ली है और वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया, आयोग किसे बचा रहा है? क्या बीजेपी के वोट चोरी के विभाग को? क्या आयोग बीजेपी के दबाव में आ रहा है ताकि सीआईडी जांच को पटरी से उतारा जा सके?

भोपाल में अंतरिक्ष यात्री की ड्रेस पहनकर गड्ढों में उतरे कांग्रेस नेता

कीचड़ में लगाया भाजपा का झंडा

भोपाल एजेंसी। राजधानी भोपाल में सड़कों पर हो रहे गड्ढों को लेकर कांग्रेस नेताओं ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंतरिक्ष यात्री की ड्रेस पहनकर गड्ढे में बैठकर विरोध किया। इस दौरान उन्होंने कीचड़ में भाजपा का झंडा लगाकर जम कर नारेबाजी की। कांग्रेस ने सड़कों पर यह प्रदर्शन लोगों की समस्या को बताते हुए किया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जल्द ही मध्य प्रदेश सरकार को गड्ढे की सूची दी जाएगी। पिछले 22 साल से हर साल बारिश में गड्ढे की स्थिति बन जाती है। फिर भी बीजेपी की सरकार में अब तक कोई सुध लेने

वाला नहीं है।

पूरे शहर में चांद की सतह जैसे गड्ढे

इस दौरान कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कहा कि भोपाल में 23 साल से भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण पूरे शहर में चांद की सतह जैसे गड्ढे हो गए है। ऐसा कोई गली-मोहल्ला या रोड नहीं जहां गड्ढे, जल जमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति ना हो। आम जनता सड़को पर हिचकोले खाते, गिरते पड़ते हुए भाजपा को कोसते हुए रेंग रही है।

करोड़ो रुपये खर्च करने बाद भी शहर की हालत बदतर

भोपाल के करोंद सब्जी मंडी गेट पर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने अन्तरिक्ष यात्री बन सड़को पर बने गड्डों में बैठकर गड्ढों का मुआयना किया और सभी गड्डों पर भाजपा के निशान लगाया। शुक्ला ने बताया कि पूरे शहर में चांद की सतह जैसे गड्डे हो गए है जिससे आम जानता की जान पर बन आयी है, कई स्थानों पर दुर्घटनाओं में कई बेगुनाह अपनी जान से हाथ धो चुके हैं। करोड़ो रुपये खर्च करने बाद भी शहर की हालत बद से बदतर होती जा रही है।

समुद्र में केबल कटने से इंटरनेट की स्पीड में दिक्कत

भारत-पाक समेत एशिया के कई देश प्रभावित

नई दिल्ली एजेंसी। एशिया के कुछ हिस्सों में जिनमें भारत भी शामिल और पश्चिम-पूर्व के अन्य देशों में भी रविवार को इंटरनेट सेवा प्रभावित हुई। यह लाल सागर में समुद्र के नीचे बिछी केबल कटने से हुआ। विशेषज्ञों ने इस बात की जानकारी दी। लेकिन, लेकिन अभी यह बात साफ नहीं हुई है कि यह घटना कैसे हुई। हालांकि, चिंता जताई जा रही है कि ये यमन के हूती विद्रोही इन केबल को निशाना बना रहे हैं। विद्रोही इसे इजराइल पर दबाव बनाने की कोशिश बता रहे हैं, ताकि वो गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध खत्म करे। हालांकि, हूती विद्रोहियों ने पहले ऐसे हमलों से इनकार किया है। इंटरनेट पहुंच पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स

ने कहा, लाल सागर में समुद्र के नीचे कई केबल कटने से कई देशों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रभावित हुई है। जिसमें भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह समस्या सऊदी अरब के जेद्दा के पास [illegible]4 और [illegible] केबल सिस्टम में तकनीकी खराबी की वजह से हुई।साउथ ईस्ट एशियामिडिल ईस्टवेस्टर्न यूरोप 4 केबल भारत की कंपनी टाटा कम्युनिकेशंस की ओर से चलाया जाता है, जो एक बड़े भारतीय समूह का हिस्सा है। वहीं, इंडियामिडिल ईस्टवेस्टर्न यूरोप केबल को एक अन्य कंसोर्टियम चलाता है, जिसकी निगरानी अल्काटेल-लूसेंट कर रही है। दोनों कंपनियों ने इस मामले पर अभी कोई रिएक्शन नहीं दिया। सऊदी अरब ने अभी तक इस इंटरनेट सेवा में हुई बाधा को स्वीकार नहीं किया है और वहां के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। संयुक्त अरब अमीरात, जहां दुबई और अबू धाबी मौजूद हैं, वहां देश की सरकारी कंपनियों [illegible] और Etisalat के नेटवर्क पर इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने धीमी इंटरनेट स्पीड की शिकायत की। माइक्रोसॉफ्ट ने अपने स्टेटस वेबसाइट पर बताया कि पश्चिम एशिया लाल सागर में समुद्र के नीचे केबल कटने की वजह से इंटरनेट की स्पीड में कमी को अनुभव कर सकता है। रेडमंड, वाशिंगटन स्थित इस कंपनी ने अभी विस्तार से जानकारी नहीं दी, लेकिन कहा कि जो इंटरनेट ट्रैफिक पश्चिम एशिया से नहीं गुजर रहा है, उस पर कोई असर नहीं पड़ा है। समुद्र के नीचे की केबलें कटने की यह घटना ऐसे समय में हुई है जब यमन के हूती विद्रोही, गाजा पट्टी में इजरायल हमास युद्ध को लेकर इजराइल पर लगातार हमले कर रहे हैं। इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई में हवाई हमले किए हैं, जिनमें विद्रोही संगठन के कई बड़े नेता मारे गए।

हम नई पीढ़ी को कौन सी संस्कृति सौंपना चाहते हैं,अपने उत्थान की या पतन की

बीरेन्द्र श्रीवास्तव की कलम से
संभाग ब्यूरो दुर्गा गुप्ता

विशाल भारत की संस्कृति ऋषि मुनियों की संस्कृति रही है, जिसका विस्तार विश्व के बहुत से देशों में रहा है. प्राचीन इतिहास के पन्नों में दर्ज हमारी उच्च ज्ञान परंपरा के कारण इसके अनुयाई पूरे विश्व में पाए जाते थे. शिक्षा और संस्कारों के इसी संस्कृति के पोषक होने के नाते हम अपने, ऋषियों के आदर्श और विद्वता को समय समय पर याद कर गौरवान्वित होते हैं. हमारे घरों में सम्पन्न होने वाले संस्कार और पूजापाठ में इन्हीं ऋषियों के नाम और गोत्र पुजारी या पंडित जी द्वारा स्मरण कराया जाता है. पुजारी द्वारा आपका अपना नाम और गोत्र का नाम लीजिए कहा जाता है आपने सुना होगा --
जम्बू दीपे भरतखंडे आर्यावर्त्ते अमुक स्थाने, नर्मदा तटे,सूर्य उत्तरायणे, अमुक गोत्रे, अमुक नामे (अपना गोत्र और अपना नाम ले लें) जैसे
श्लोक से पूजा का संकल्प प्रारंभ होता है. यही गोत्र हमारे उच्च आदर्श परंपरा का संवाहक है. हम नैतिक रूप से स्वयं को किसी न किसी ऋषि संतान से जोड़कर अपना परिचय पूजा पाठ में ईश्वर के सम्मुख संकल्प लेकर देते रहे है. अपने बच्चों को भी श्रद्धा पूर्वक हाथ जोड़कर पूजा स्थल पर अपने वंशजों का ज्ञान स्थानांतरित करते हैं. हम चाहते हैं कि इन्हीं ऋषि मुनियों की तरह एक स्वस्थ समाज के निर्माण में मेरी संतान भी शामिल हो, क्योंकि हम स्वयं ऋषि संतान होने पर गर्व अनुभव करते हैं और इसे अपने बच्चों को आगामी पीढ़ी तक सौंपने के लिए सिखाते हैं. हमारे आदि ग्रंथ महाभारत के शांति पर्व के अध्याय 296 में वर्णित है कि प्रारंभ में चार मूल गोत्र थे, जिनके नाम ऋषि अंगिरा, कश्यप, वशिष्ठ, और भृगु के नाम पर गोत्र परंपरा आगे बढ़ी, लेकिन बाद में जमदग्नि, अत्रि, विश्वामित्र तथा अगस्त जैसे ऋषियों के नाम भी गोत्र में जुड़ गए. अच्छे कुल के गौरव से जुड़ाव की आस्था हिंदू समाज में इतनी ज्यादा है कि जिनको अपना गोत्र नहीं मालूम उन्हें पुराणों की मान्यता अनुसार कश्यप गोत्र की मान्यता दी जाती है. जो हमारे आदि पुरुष माने जाते हैं. हम उनके धर्म आचरण, शांति, सद्भावना, दूसरे प्राणियों पर दया एवं सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया के आदर्शों का पालन करने के लिए स्वयं को वचनबद्ध करते हैं. गलत का विरोध और और सत्य का अनुसरण हमारी पहचान है. हम अपने बच्चों को सुसंस्कृत समाज की स्थापना हेतु शिक्षित करते हैं.
हमारे देश में शिक्षा की गुरुकुल परंपरा रही है. शिक्षा पद्धति में हमने तर्क वितर्क जैसी विधि का उपयोग कर विश्व गुरु का स्थान प्राप्त किया था. पांचवी से 12 वीं शताब्दी तक ज्ञान परंपरा का एक उत्कृष्ट केंद्र नालंदा अपनी व्यापक ज्ञान प्रणाली का मुख्य केंद्र रहा है. सम्राट कुमार गुप्त ने लगभग 427 ईस्वी में नालंदा की स्थापना की थी, लेकिन प्रारंभिक बौद्ध धर्म से विकसित होकर यह विश्व के सबसे बड़े शिक्षा केंद्रों में से एक बन गया. इसकी विशालता का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि तात्कालीन समय में यहां दस हजार से अधिक छात्र अध्ययन करते थे. नालंदा विश्वविद्यालय हमारे देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का एक विशिष्ट उदाहरण है जिसने अपने उच्च मानक शिक्षा के कारण चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत, मंगोलिया, श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया सहित दुनिया भर के विद्वानों को आकर्षित किया. इस विश्वविद्यालय में किसी वर्ग विशेष या नस्लीय भेद के अंतर को स्थान नहीं दिया जाता था. यहां के छात्र बौद्ध धर्म का तत्व ज्ञान, आयुर्वेद चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, तर्कशास्त्र, दर्शनशास्त्र जैसे विषयों में पारंगत होकर निकलते थे. समय के बदलाव के साथ हमारे देश के कुछ पड़ोसियों को ज्ञान परंपरा की यह विशालता उनके आंखों की किरकिरी बन गई, यही कारण है कि 12वीं शताब्दी में तुर्क आक्रमणकारी

बख्तियार खिलजी के आक्रमण में यह सब कुछ नष्ट हो गया. पुस्तकों के विशाल पुस्तकालय में आग लगाकर इसे समाप्त कर दिया गया.

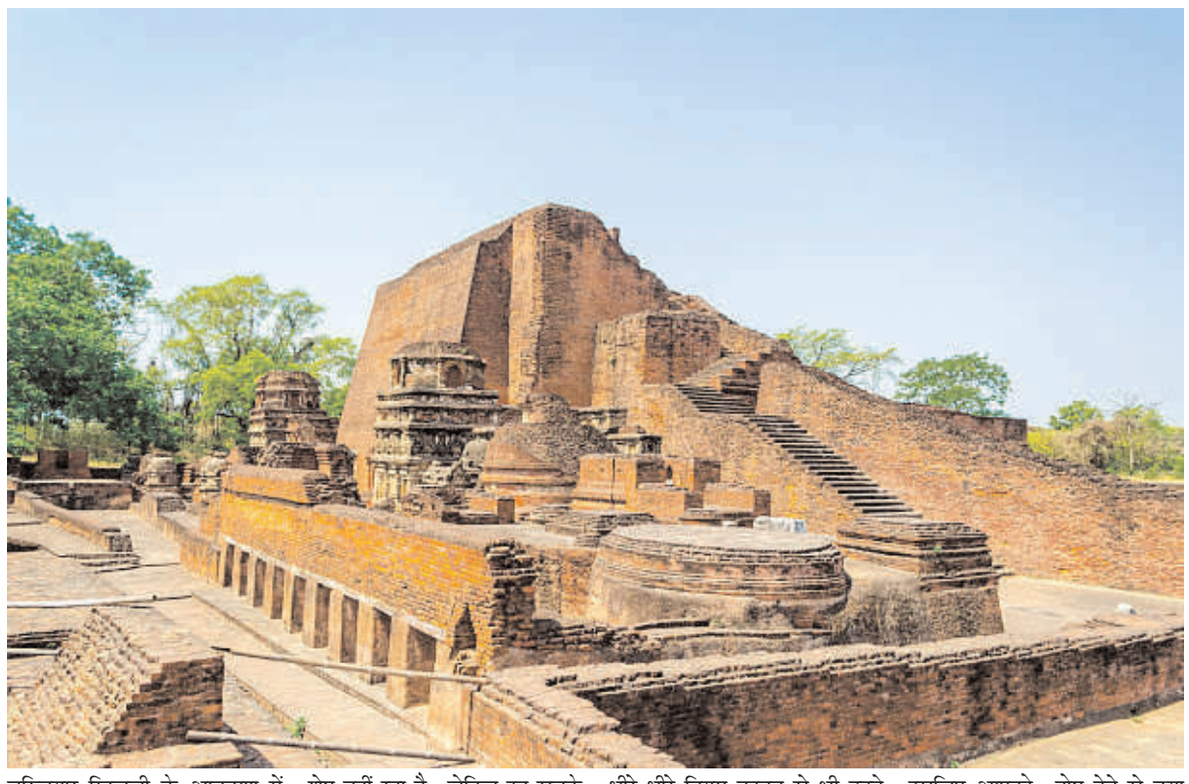

उच्च विरासत की यह ज्ञान परंपरा हमारे खून में आज भी दौड़ रही है. इस ज्ञान परंपरा के वंशज होने के नाते हम इस पर गर्व करते हैं किंतु हमने अपने आदि पुरुष के आदर्शों और ज्ञान को जाने कब भुला दिया यह हमें पता ही नहीं चला. राजनीतिक शिकंजों में कसा हमारा समाज अपने नैतिक मूल्यों से धीरे-धीरे दूर होता जा रहा है. हमारे बच्चों की भ्रष्ट आचरण और दूसरों को कुचलकर आगे बढ़ने की परंपरा दिनों दिन आगे बढ़ रही है. भ्रष्टाचार इतनी गहराई तक जड़े जमा चुका है कि समाज में स्वच्छ छवि के व्यक्तित्व अब मुट्ठी भर लोग रह गए हैं. निराश लोगों को ऐसा लगने लगा है कि भ्रष्ट नीतियों के अतिरिक्त और कोई रास्ता हमारी सफलता के लिए शेष नहीं रहा है लेकिन इन सबके बावजूद समाज में एक वर्ग आज भी है जो इस समाज को परिवर्तन करने की क्षमता रखता है.
एक कहावत है।

चोर का जी आधा

निश्चित तौर पर इस ईमानदार वर्ग के पास आधी ताकत भ्रष्ट प्रकृति के विरुद्ध लड़ने के लिए हमेशा मौजूद रहती है और यदि इसमें थोड़ी सी ताकत और जुड़ जाती है तब इसके विरोध एवं एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए आगे बढ़ने को कई लोग तैयार मिलते हैं.
रोजमर्रा के जीवन में नियम कानून बनाकर एक स्वस्थ समाज की स्थापना की कल्पना को कुछ लोग आघात पहुंचा रहे हैं. स्वस्थ समाज के निर्माण एवं व्यवस्थित जीवन हेतु बनाए गए नियम कानून की पंक्तियां अब व्यवस्था को सुधारने हेतु नहीं बल्कि आम नागरिकों को उलझाने के लिए उपयोग किया जा रहा है. यही कारण है कि लोगों का विश्वास धीरे-धीरे नियम कानून से भी उठने लगा है. आज के परिवेश मे यह बेहद चिंतनीय विषय है. कानून ऐसे होने चाहिए जिसे आमजन मन से स्वीकार करें और उसका अनुसरण कर एक स्वस्थ एवं व्यवस्थित समाज का निर्माण करने हेतु सहजता से आगे बढ़ सके. नियम कानून का पालन कराने वाले अधिकारियों को आगे बढ़कर नियमों के पालन के अड़चन दूर करने के उपाय भी लोंगो को बताने होंगे तभी हम कानून के पालन के लक्ष्य तक पहुंच पाएंगे. समाज के निर्माण में हम अपने अच्छे बुरे कार्यों से अपने वंशजों को गौरवान्वित या अपमानित करते हैं. मैंने ऐसे कई दृष्टांत देखे हैं जिसमें अधीनस्थ कर्मचारी द्वारा अपने अधिकारियों को यह कहते हुए सुना गया है कि श्रीमान जी आपके द्वारा किए गए गाली गलौज जैसे अपशब्दो का प्रयोग या दूसरों को अपमानित करने की भाषा आपकी नहीं आपके पूर्वजों के दिए संस्कार है इसलिए आपको दोष देने से क्या फायदा. इस एक वाक्य से अपमानित होते अधिकारियों को मैने देखा है. ऐसे कह गए एक वाक्य से आपके माता-पिता दादा और परदादा भी अपमानित होते हैं. सत्यता यही है कि जिस दिन समाज का हर व्यक्ति अपने बुजुर्गों के सभ्य , ईमानदार, संस्कारों को मानना प्रारंभ कर देगा तथा आगामी पीढ़ी को सौंपने में गर्व अनुभव करेगा उसी दिन हम एक संस्कार युक्त और भ्रष्टाचार मुक्त समाज निर्माण करने में सफल हो सकेंगे.
भ्रष्टाचार मुक्त समाज बनाने की कोशिश आज एक जटिल प्रक्रिया बन चुकी है न्याय की चौखट तक ले जाने वाले सेवक और न्याय व्यवस्था इतनी ज्यादा खर्चीली और समय साध्य हो गई है जहां तक आम आदमी का पहुंचना भी अब मुश्किल हो रहा है. यह परिस्थितियां एक साल या छै महीने में नहीं आई है बल्कि कई वर्षों का परिणाम है. हमारे नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के कारण ही ऐसी परिस्थितियां बन रही है. बाजारवाद की पृष्ठभूमि में बढ़ता समाज हर खुशियों को पैसे में खरीदना चाहता है. आर्थिक संसाधनों को बढ़ाने का बढ़ता दबाव समाज को भ्रष्टाचार की ओर धकेलता रहा है. आर्थिक दबाव में भ्रष्ट तरीके से कमाई गई संपत्ति को जब हम अपने अपने बच्चों के विकास में खर्च करके प्रसन्न होते हैं निश्चित मानिए ऐसी परिवरिश कुछ समय के लिए आपको प्रसन्नता दे सकती है लेकिन आपके द्वारा किया गया गलत आचरण के संस्कारों में पली यह पीढ़ी आपके गलत रास्ते का अनुसरण करेगी. इसका प्रभाव अब हमारे व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है. समाज में माता-पिता के प्रति सेवा भाव में कमी और बढ़ते हुए वृद्धाश्रमों की संख्या तथा आए दिन धन के लिए बच्चों से माता-पिता के प्रति बैर भाव हमारी सामाजिक जीवन की दिनचर्या में शामिल हो रहे हैं. यह सामाजिक परिवर्तन हमें समय-समय पर अपने व्यवहार में बदलाव लाने के लिए सचेत करते रहते हैं. जरूरत इस बात की है कि हम उसे देखकर भी अनदेखा ना करें. समय के परिवर्तन की मार जब स्वयं पर पड़ती है तब हम अपने बच्चों पर अर्थात आगामी पीढ़ी पर दोषारोपण करते हैं. जबकि उसके लिए हम स्वयं दोषी होते हैं.
भ्रष्टाचरण के कई उदाहरण हमें आज हमारे चारों तरफ दिखाई पड़ते हैं. लोक सेवा आयोग से लेकर छोटी-छोटी प्रतियोगी परीक्षाओं में एवं चयन की नीतियां भी अब अपनी विश्वसनीयति खो रही है. हालांकि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने हेतु न्याय व्यवस्था का प्रयास प्रशंसनीय है लेकिन सच तो यह है कि कितने लोग वहां तक पहुंच पाते हैं. मैंने कई उदाहरण ऐसे भी देखे हैं जिसमें इंजीनियर, डॉक्टर, एवं फिजियोथैरेपिस्ट से लेकर सामान्य कर्मचारियों के चयन हेतु योग्यता एवं पात्रता सूची में सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता प्रथम प्रत्याशी को भी मौखिक साक्षात्कार में अयोग्य घोषित कर दिया जाता है. जबकि प्रत्याशी के पास छै वर्षों की राज्य सेवा या केंद्र सेवा में अपनी सेवाएं देने के प्रमाण भी मौजूद रहे हैं. भ्रष्ट राजनीतिक दबाव के कई उदाहरण हमारे सामने ऐसे भी हैं जिसमें राजपत्रित अधिकारियों को भी गलत रिपोर्ट देने के लिए बाध्य किया गया है. जो आज भी समय के पन्नों में दर्ज है.
ढेर सारी कर्मियों एवं भ्रष्ट नीति के दबाव में संचालित भारतीय समाज में अभी भी सभ्य संस्कारवान ऐसे लोग हैं जो इस देश के संस्कारों को ढाल कर एक व्यवस्थित एवं सुसंस्कृत भ्रष्टाचार मुक्त समाज की स्थापना हेतु निरंतर प्रयासरत है. उन्हें विश्वास है कि हम अपनी समृद्ध भारतीय परंपरा संस्कार एवं अपने आदि पुरुषों की विरासत के अनुसार एक गौरवशाली समाज स्थापित करने में जरुर सफल होंगे. प्रत्येक धर्म की नैतिक शिक्षा हमें हमेशा नेक सत्य, परोपकारी एवं आपसी एकता सद्भाव के गुणों से सम्पन्न समाज की स्थापना का संदेश देती है जिसमें यह शामिल होता है कि हमारे किसी भी कृत्य से किसी दूसरे को चोट ना पहुंचेकिसी दूसरे का अहित न करें दूसरों के हक छीनने की हर कोशिश गलत है. एक सभ्य और भ्रष्टाचार मुक्त समाज की स्थापना के लिए बस इतनी आवश्यकता है कि हम अपने बुजुर्गो एवं आदि पुरुष के संस्कारों पर गर्व करें. हम अपने किसी भी अपशब्द से या भ्रष्ट समाज विरोधी कार्य से उन्हें अपमानित न होने दे, तभी आगामी पीढ़ी से समय एवं भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद की जा सकती है.
जिस दिन ÷मैं गलत नहीं करूंगा÷ का संकल्प हम ले लेंगें, निश्चित मानिए सभ्य सांस्कृतिक और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के सपने को सत्य होने में समय नहीं लगेगा.

बस इतना ही
फिर मिलेंगे
किसी अगले चिंतन में

अगस्त माह में पश्चिम मध्य रेल ने 4 मिलियन टन से अधिक माल लदान किया

गतवर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

जबलपुर/प्रतिनिधि। पश्चिम मध्य रेल ने माल लदान में वृद्धि दर्ज करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के अगस्त माह में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग तथा परिचालन विभाग के संयुक्त प्रयासों से चालू वित्तीय वर्ष के अगस्त माह 2025 में 4.33 मिलियन टन माल लदान किया, जो गत वित्तीय वर्ष अगस्त 2024 में 3.49 मिलियन टन से 24 प्रतिशत अधिक रहा।

इस प्रकार पश्चिम मध्य रेल गुड्स लोडिंग में चालू वित्तीय वर्ष 2025 के अप्रैल से अगस्त तक कुल 23.06 मिलियन टन माल लदान किया, जबकि गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में 21.06 मिलियन टन माल लदान किया था, जो कि 9 प्रतिशत अधिक है।

माल यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं

माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि

चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गई ।

नए माल गोदामों को विकसित करके उन्नयन कार्य किया जा रहा है।

गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल/ साइडिंग को बढ़ाने का निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी बढ़ाया। साथ ही साथ ऑपरेशनल सुधार भी किए गए।

गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम किया गया। इससे मालगाड़ियों के संचालन में तेजी आई और माल ढुलाई में वृद्धि हुई।

नई रेल लाइन/दोहरीकरण/तिहरीकरण जैसे अधोसरंचना कार्यों में गति प्रदान की जा रही है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा माल यातायात की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रखेगा।

प्रदेश में निजी विद्यालयों द्वारा फीस में अनियमित वृद्धि को रोकने के लिये प्रावधान

करीब 10 हजार 200 विद्यालयों ने पोर्टल पर फीस विवरण अपलोड किया

भोपाल । प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग ने निजी विद्यलायों द्वारा फीस में अनियमित वृद्धि रोकने के लिये प्रावधान लागू किये गये है। इसके अलावा किताबें, यूनिफॉर्म, टाई एवं कॉपियों पर किसी विशेष दुकान से क्रय नहीं किये जाने संबंधित नियम भी लागू है। इन नियमों में वर्णित प्रावधानों के तहत निजी विद्यालयों में उपयोग की जाने वाली स्टेशनरी, पठन सामग्री, बैग, यूनिफॉर्म, स्पार्ट्स किट, ट्रासपोर्ट सुविधा और फीस से संग्रहित की जाने वाली राशि का विवरण विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर तथा अधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के निर्देश भी है। इसी के साथ निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा कक्षा वार एवं मद वार आगामी सत्र की प्रस्तावित फीस संरचना को स्कूल शिक्षा विभाग के फीस विनियमन पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। राज्य में इस वर्ष करीब 10 हजार 200 निजी विद्यालयों द्वारा पोर्टल पर फीस का विवरण अपलोड किया जा चुका है। प्रदेश में जिन विद्यालयों की किसी भी कक्षा की वार्षिक फीस संरचना 25 हजार रूपये या उससे कम है, उन्हें फीस संरचना की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने से मुक्त रखा गया है। इन विद्यालयों को इस संबंध में पोर्टल पर शपथ पत्र अपलोड करने की निर्धारित तिथि भी दी गई थी। ऐसे विद्यालय जो समय-सीमा की जानकारी अपलोड नहीं करेंगे उनके विरूद्ध जिला समिति द्वारा कानूनी कार्यवाही की जाएगी। प्रदेश में निजी विद्यालयों के विरूद्ध प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण के लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला समिति भी कार्य कर रही है।

भाजपा संगठन में शामिल होने वालों की छवि पर लगेगा छन्ना, अपराधिक छवि के और बदनाम लोगों को रखा जाएगा दूर

जबलपुर/प्रतिनिधि। भारतीय जनता पार्टी संगठन आधारित पार्टी है और इसी दावे में यह सच्चाई भी शामिल है कि भारतीय जनता पार्टी में नेतागिरी करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए चाहे वह केंद्र की राजनीति कर रहा हो, प्रदेश की राजनीति कर रहा हो, जिले की राजनीति कर रहा हो या फिर मंडल की राजनीति कर रहा हो उसकी छवि का बहुत महत्व है। भाजपा का दावा है कि वह जन सामान्य के बीच से आने वाले लोगों को राजनीतिक मंच पर प्रतिनिधि बनाकर आम जनता की समस्याओं का समाधान करती है। इसके विपरीत भाजपा के समक्ष एक बड़ी चुनौती है वह यह है कि आपराधिक किस्म के लोगों ने भाजपा में अपनी एंट्री कर ली है और ऐसे लोग आए दिन भाजपा की छवि में धब्बे लगाने का काम कर रहे हैं।

निकट भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के जबलपुर जिला संगठन एवं ग्रामीण संगठन की बॉडी बनने जा रही है। भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रत्नेश सोनकर का यह पहला संगठन विस्तार कार्यक्रम है। यानी जिले के संगठन में जिनको भी शामिल किया जाना है उनकी छवि, उनके कृत्य, उनकी सामाजिक स्वीकार्यता, उनकी राजनीतिक छवि सभी पर ध्यान दिया जाएगा।

अपराधी छवि के बहुत से लोग कर रहे हैं प्रयास

भारतीय जनता पार्टीज़ लंबे अरसे से सत्ता में है इस कारण से बहुत से ऐसे लोग जो धनबल के आधार पर या फिर कुछ लोगों पर अपने प्रभाव के आधार पर पार्टीज़ का हिस्सा बन गए हैं लेकिन उनका इतिहास अपराधी गतिविधियों में संलिप्त रहा है या फिर उनकी भूमिका कहीं ना कहीं आपराधिक छवि वाली रही है ऐसे लोग भी नगर संगठन में पद पाने के लिए अपने पालनहारों और संरक्षकों के भरोसे जोरआजमाइश कर रहे हैं। कुछ को पहले पार्टी की तरफ से पदाधिकारी बनाया भी गया है लेकिन अब वे मुख्य रूप से जिला संगठन में पद पाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

अब नगर अध्यक्ष के समक्ष बड़ी चुनौती रहेगी ऐसे अपराधिक छवि वाले लोगों को कैसे जिला संगठन में पद देने से दूर रखा जाए। हालांकि भाजपा आपराधिक लोगों को या ऐसी अपराधिक एवं विवादित छवि वाले लोगों को झटकने में देर नहीं करती है। लेकिन फिर भी कुछ प्रभावशाली लोगों से जुड़े आपराधिक छवि के लोग नगर संगठन में पद पाने के लिए घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे हैं।

चुने जाने वाला संगठन आने वाले चुनाव के लिए महत्वपूर्ण

भारतीय जनता पार्टी के नगर संगठन का विस्तार 2 वर्ष के लिए होता है। ऐसी स्थिति में यह बात भी स्पष्ट है की इस बार जो नगर संगठन या ग्रामीण संगठन का विस्तार होना है उनमें जिन पदाधिकारी को शामिल किया जाना है ऐसे लोग 2 साल बाद होने वाले चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। अब ऐसी स्थिति में अगर आपराधिक और विवादित छवि वाले लोग संगठन में स्थान पा जाने में कामयाब हो जाएंगे तो जनता के बीच में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। इसके साथ ही विपक्षी राजनीतिक दलों को भी बड़ा मजबूत मुद्दा मिल जाएगा और वह समय आने पर इस प्रकार के लोगों को मुद्दा बनाकर जनता के बीच जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

विधायकों के अनुशंसा महत्वपूर्ण

भारतीय जनता पाटी के नगर एवं ग्रामीण संगठन के विस्तार में स्थानीय विधायकों की अनुशंसा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संगठन संरचना में विधायकों की अनुशंसा का महत्व होता है और अब यह क्षेत्रीय विधायकों के लिए भी बड़ी जवाबदारी होगी कि वह किस प्रकार के लोगों की अनुशंसा नगर संगठन में शामिल होने के लिए कर रहे हैं।

पूजा स्पेशल ट्रेनों से सफर होगा आसान, 2024 अतिरिक्त ट्रिप्स की अधिसूचना जारी

पश्चिम मध्य रेल से पूजा स्पेशल ट्रेनों की 80 सेवाएं चलेगी

जबलपुर/प्रतिनिधि। त्योहारों का मौसम शुरू होते ही रेल यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जाती है। इसी बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए हजारों विशेष ट्रेन सेवाओं के संचालन का फैसला लिया है। बिहार जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए ही 12000 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना बनाई जा चुकी है। जिन ट्रेनों के संचालन की योजना बन चुकी है उनका नोटिफिकेशन भी अब जारी किया जाना प्रारंभ हो चुका है। 21 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक कुल 150 पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है जिनके माध्यम से कुल 2024 अतिरिक्त फेरे (ट्रिप्स) सुनिश्चित किए जाएंगे।

भारतीय रेल द्वारा यह निर्णय त्योहारों के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और उन्हें अपने प्रियजनों के साथ उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। विशेष रूप से उत्तर भारत, पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के बड़े स्टेशनों से चलने वाली इन ट्रेनों से महानगरों और ग्रामीण इलाकों के बीच बेहतर संपर्क सुनिश्चित किया गया है।

पूजा स्पेशल इन ट्रेनों की श्रृंखला के तहत दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा सर्वाधिक 48 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जो 684 ट्रिप्स पूरा करेंगी। इन ट्रेनों का संचालन मुख्यतः हैदराबाद, सिकंदराबाद और विजयवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशनों से किया जाएगा। पूर्व मध्य रेलवे ने 14 ट्रेनें अधिसूचित की हैं, जो पटना, गया, दरभंगा और मुज़फ़्फ़रपुर जैसे बिहार के प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी और कुल 588 ट्रिप्स लगाएंगी। पूर्व रेलवे द्वारा कोलकाता, सियालदह, हावड़ा जैसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों से 24 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनके मदद से 198 ट्रिप्स संचालित होंगी।

वहीं पश्चिम रेलवे ने मुंबई, सूरत, वडोदरा जैसे शहरों से 24 स्पेशल ट्रेनें घोषित की हैं जो 204 ट्रिप्स पूरी करेंगी। दक्षिण रेलवे द्वारा चेन्नै, कोयंबत्तूर, मदुरै जैसे स्टेशनों से 10 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनसे 66 ट्रिप्स होंगी। पश्चिम मध्य रेलवे से जबलपुर, भोपाल एवं कोटा जैसे स्टेशनों से 5

जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनसे 80 ट्रिप्स होंगी। इसके अलावा पूर्व तट रेलवे से भुवनेश्वर, पुरी और सम्बलपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे से रांची, टाटानगर, उत्तर मध्य रेलवे से प्रयागराज, कानपुर और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से बिलासपुर, रायपुर जैसे स्टेशनों को जोड़ते हुए विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी।

पश्चिम मध्य रेल की अधिसूचित पूजा स्पेशल ट्रेनें

* रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति पूजा स्पेशल ट्रेन (11-11 फेरे)
* जबलपुर-दानापुर-जबलपुर पूजा स्पेशल ट्रेन (12-12 फेरे)
* सोगरिया-दानापुर-सोगरिया पूजा स्पेशल ट्रेन (06-06 फेरे)
* रीवा-रानी कमलापति-रीवा पूजा स्पेशल ट्रेन (06-06 फेरे)
* रीवा-डॉ.अम्बेडकर नगर-रीवा पूजा स्पेशल ट्रेन (05-05 फेरे)

स्पेशल ट्रेनों की सूची, समय सारणी, रूट और ठहराव की विस्तृत जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट और नजदीकी रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध है। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे इन विशेष ट्रेनों में यात्रा करने के लिए अग्रिम बुकिंग कराएं और अपने टिकट की पुष्टि सुनिश्चित करें। साथ ही यात्रियों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि सफर के दौरान रेल मंत्रालय द्वारा जारी सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें।

विद्युत परिवार के डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव का 100वां अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित

शोध कार्यों को विश्व स्तर पर मिली सराहना

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत परिवार के डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में नया इतिहास रचते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनके 100 से अधिक शोध पत्र विश्व की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, जो मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव एवं श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव के पुत्र हैं, का शोध उच्च ऊर्जा भौतिकी और निम्न तापमान संघनित पदार्थ भौतिकी पर केंद्रित है। उनका कार्य लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर जैसे उच्च ऊर्जा कण त्वरकों में उत्पन्न अवस्थाओं को समझने में सहायक है। कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि संपूर्ण विद्युत परिवार के लिए गर्व का विषय और प्रेरणा स्रोत है। डॉ. श्रीवास्तव ने यह शोध कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय (अमेरिका) में अंतरराष्ट्रीय सहयोग से किया। उनके शोधपत्र जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, फिजिकल रिव्यू-बी और न्यूक्लियर फिजिक्स-बी जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

शिवपुरी में गणेश विसर्जन धूमधाम से सम्पन्न

नटराज डीजे ने बाजी मारी, प्रथम स्थान पर रहा

शिवपुरी। जिला शिवपुरी में शनिवार को भगवान श्री गणेश जी का विसर्जन बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। जगह-जगह से झांकियां सजाई गई और विभिन्न क्षेत्रों से आए डीजे सिस्टम ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। भक्तिमय माहौल में बप्पा को धूमधाम से विदाई दी गई। इस अवसर पर आयोजित डीजे प्रतियोगिता में नटराज डीजे ने शानदार प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ध्वनि, तालमेल और भक्ति गीतों की प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया। नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार बनाए और गणेश झांकियों का जगह-जगह स्वागत किया। उत्साह और उमंग के बीच बप्पा को विदाई दी गई और श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की।

फतेहपुर में होने वाले सरदार सेना का महापंचायत को लेकर बनाई रणनीति

जिला संवाददाता अमरजीत सिंह

मीरजापुर,ग्राम सभा मठना में सरदार सेना द्वारा पंचायत किया गया जिसमें सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आर एस पटेल के विचारों को उपस्थित लोगों के सामने रखा गया जिससे लोग काफी उत्साहित होकर सैकड़ों की संख्या में सरदार सेना में लोग शामिल हुए ,इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रभुनरायण सिंह के अलावा सरदार सेना के पदाधिकारियों में, सुनील सिंह पटेल फौजी जिला अध्यक्ष, चंद्रभान सिंह पटेल मड़िहान विधानसभा प्रभारी, महेंदर पटेल उर्फ मुन्ना मैनेजर चुनार विधानसभा प्रभारी, दयासंकर पटेल जिला उपाध्यक्ष ,दीपदान जिला महासचिव, आशीस विधान सभा उपाध्यक्ष, मोनू भाई , जीवन दीप , नन्दलाल पटेल, पंकज पटेल, राजू पटेल , के अलावा अन्य लोग मौजूद रहें।

प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन की शेरवा में हुई बैठक

जिला संवाददाता अमरजीत सिंह

शेरवां,मीरजापुर। शेरवा क्षेत्र के जाफरखानी स्थित डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम स्कूल में प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक हुई । एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने कहा कि जिन सरकारी विद्यालयों में शिक्षार्थियों की संख्या कम होती जा रही है ऐसे विद्यालयों को सरकार द्वारा बंद करने के आदेश जारी कर दिया गया है जिससे सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों पर शिक्षार्थियों की संख्या बढ़ाने का दबाव बढ़ गया है। बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए, सरकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक, अभिभावकों से अपने यहां नाम लिखवाने का आग्रह कर रहे हैं। कुछ अभिभावक प्राइवेट विद्यालयों का शिक्षण शुल्क बकाया होने के कारण अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेज दे रहे हैं। ऐसे में कुछ सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक प्राइवेट विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों पर टीसी काटने का दबाव बना रहे हैं। ऐसा नहीं करने पर सरकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापकों द्वारा प्राइवेट विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को धमकी दिया जा रहा है कि यदि टी सी नहीं दिया तो आप का विद्यालय बन्द करवा देंगे। प्राइवेट स्कूलों के प्रबंधकों का कहना है कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत सरकार ही प्राइवेट स्कूल चलाने पर बढ़ावा दे रही है। हमारा शिक्षार्थियों के यहां एक - एक, दो - दो वर्ष का हजारों रुपए शिक्षण शुल्क बकाया है इसके बावजूद हम धन के अभाव में भी बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रहें हैं, ऐसी परिस्थिति में बच्चों की टी सी कैसे काट सकते हैं। यदि अब किसी प्रकार की शिकायत मिलेगी तो विधायक, सांसद और उच्च अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता एपीजे अब्दुल कलाम स्कूल शेरवां के प्रबंधक महेश कुमार प्रजापति और संचालन ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल अदालहट के प्रबंधक अनेश कुमार ने किया।बैठक में प्रवक्ता राजकुमार पटेल, चौधरी रमेश सिंह, विपिन सिंह, सुनील कुमार, अमर सर, अशोक कुमार गुप्ता, बसंत कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राजेश प्रसाद यादव, गुरुदास, अजीत कुमार द्विवेदी,, अवधेश कुमार मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

एसडीओपी ने घोड़े पर बैठ कर जुलूस में धर्मविशेष का झंडा थाम कर लगाए नारे -वरिष्ठ अधिकारी ने थमाया नोटिस

छतरपुर । मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले मे ईद मिलादुन्नबी के मौके पर निकाले गए जुलुस मे कुछ ऐसा हो गया जिसमे पुलिस महकमे मे हड़कंप मच गया दरअसल 5 सितम्बर शुक्रवार के दिन मुस्लिम समुदाय के द्वारा ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हजारों की संख्या मे एकत्र होकर एक विशाल जुलुस का आयोजन किया गया शहर के डाकखाने चौराहे पर पुलिस के कुछ अधिकारी जिसमे स्ठ्ठह्क्क नवीन दुवे छतरपुर ट्रैफ़िक प्रभारी बृहस्पति साकेत घोड़े पर सवार हाथों मे इस्लामिक झंडे लिए दिखाई दिए.

इसी बीच पीछे से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नारे तकबीर के नारे लगाने शुरू कर दिए. जैसे ही नारे लगे स्ठ्ठह्क्कनवीन दुवे और बृहस्पति साकेत ने भी ना सिर्फ नारे लगाए बल्कि झंडे भी लहराये.

वीडियो जैसे ही सोशल मिडिया पर वायरल हुआ पुलिस महकमे मे हड़कंप मच गया

पुलिस के अला अधिकारीयों के उड़े होश...

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के आला अधिकारी सकते मे है वीडियो सामने आने के बाद से ष्ठद्बत्र ललित शाक्यवार ने वीडियो मे दिखाई दे रहे अधिकारीयों को ना जमकर फटकार लगाई. जानकारी इस बात की भी आ रही रही है पुलिस के जो अधिकारी वीडियो मे दिखाई दे रहे है उन के लिए एक जाँच टीम भी बनाई गई है

कारण बताओ नोटिस जारी..

मामले मे एसपी अगम जैन से बात की गई तो उन्होंने

बताया की वीडियो सामने आने के बाद से वीडियो मे दिखाई दे रहे पुलिस अधिकारीयों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है जबाब आने के आगे की कार्यवाही की जाएगी

उर्मिल नदी का विषाक्त पानी पीने को मजबूर नगरवासी

मछली काटकर पानी प्लांट के समीप धो रहे मछवारे।

लवकुशनगर- नगरपरिषद द्वारा सन 2018-19 में उर्मिल जल परियोजना अन्तर्गत करीब 14 करोड़ की लागत से नगर में पेय जल सप्लाई चालू की गयी थी। नगर को पानी तो घर घर पहुँचाया जा रहा है लेकिन पानी की शुद्धता पर हमेशा सवालिया निशान लगते रहे है। पहले तत्कालीन ठेकेदार द्वारा भी गन्दा और विषाक्त पानी नगर में सप्लाई किया जा रहा था उसी तर्ज पर वर्तमान ठेकेदार रविन्द

कुमार दुबे मेसर्स छतरपुर द्वारा भी उर्मिल नदी प्लांट पर किसी प्रकार का कोई रखरखाव ना होने के कारण उसी पेय जल में मछवारे मछली पकड़कर वहीं प्लांट में काटकर धोते है और वही पानी नगर में सप्लाई कर लोगो को परोसा जा रहा है। नगरपरिषद की उदाशीनता इतनी की मजाल है कि ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई स्वीकृत की जाये।

खजुराहो /काली माता प्रेमसागर तालाब में पितृ पक्ष में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है

खजुराहो के प्रेम सागर स्थित काली माता के मंदिर में पितृ पक्ष में पितरों को समर्पित श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शनिवार को शिवसागर तालाब से जल भर कर कलश यात्रा मतंगेश्वर महादेव तथा प्रेम सागर तक पहुंची 7 घोड़ा बग्गी डीजे से सुसज्जित कलश यात्रा में मातृशक्ति का उत्साह देखते ही बनता था 7 आज द्वितीय दिन पितृपक्ष में भागवत कथा कथा प्रवक्ता पंडित श्री मृदुल बिहारी महाराज जी श्री धाम वृंदावन के मुखारविंद से सुनाई जा रही है जिसमें उनकी टीम द्वारा आचार्य श्री मुकेश नायक, एवं पप्पू दुबे जी आर्गन प्लेयर अजय सिंह राजपूत रिमझिम नाल वादक धर्मेंद्र,, राजा भईया, पैड प्लेयर निक्की भाई, मंजीरा बादल अजय भाई रिमझिम संगीत ग्रुप,स्वर्गीय रमाकांत गुप्ता की पुण्य स्मृति में हो रहीं है आयोजन करता मुख्य यजमान श्रीमती विद्या देवी गुप्ता, स्वर्गीय श्री रमाकान्त गुप्ता- सुधा गुप्ता ,भास्कर गुप्ता,शिखा गुप्ता, सौरभ गुप्ता श्रीमती प्रतीक्षा गुप्ता एवं सैकड़ो की संख्या में भक्तगण सुन रहे हैं

खजुराहो ग्राम पंचायत बमीठा में धूमधाम से निकली भगवान गणेश की भव्य विशर्जन शोभायात्रा

भक्तों ने बेनी सागर डैम घाट पर किया गणेश का भावपूर्ण विषर्जन

खजुराहो के ग्राम पंचायत बमीठा में 10 चला गणेशोत्सव पर्व सम्पन्न हो गया,अनंत चतुर्दशी के अवसर पर जगह जगह विराजे प्रथम पूज्य भगवान गणेश की विषर्जन शोभायात्रा निकाली गई,इसी क्रम में नगर के बमीठा में सफल व्यापारी ठेकेदार अंशुल गुप्ता के निवास पर लगातार 14 साल हो गया है मिट्टी से निर्मित भगवान गणपति देव की सायं 4 बजे से भव्य विषर्जन शोभायात्रा निकाली गई,जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर बेनी सागर डैम घाट पहुंची जहां पर पार्थिव भक्तिभाव से गणेश विषर्जन किया गया,इसके पूर्व शोभायात्रा में गणेश भक्तों ने ढोल तांसों की थाप तथा डी.जे.की धुन पर थिरकते हुए गणपति बप्पा मोरया अगले वरस तू जल्दी आ के जयकारे लगाए,इस दौरान क्षेत्र बमीठा टी.आई. आशुतोष श्रोत्रिय सहित पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए तथा बमीठा ग्राम पंचायत सरपंच सनत मंजू जैन के मार्गदर्शन में नगरीय प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की जिससे निर्भिग्न विषर्जन सम्पन्न हुआ।

ग्राम में अवैध शराब बिक्री की शिकायत, ग्रामीणों ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

बमीठा/छतरपुर। ग्राम पंचायत के लोगों ने थाना बमीठा क्षेत्र में अवैध रूप से बिक रही देसी शराब की समस्या को लेकर पुलिस अधिकारियों को लिखित आवेदन दिया है। ग्रामीणों ने आवेदन में बताया कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में खुलेआम देसी शराब बेची जा रही है। इस कारण से गांव के युवाओं और बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि 7/9/25 को सुबह कुछ लोगों को शराब पीते हुए देखा गया, जिसके बाद विवाद और गाली-गलौज जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि गांव में चल रहे इस अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि गांव में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे।

विगत 14 वर्षो कि भाती 15वीं वर्षगांठ पर धूम धाम से सार्वजनिक करमा पर्व ग्राम पंचायत केतका में बड़े धूम धाम से मनाया गया

जिला ब्यूरो के रूप नारायण सिंह अंबिकापुर

कि सुरवात ग्राम कोटवार के द्वारा गांव में मुनादी कर किया जाता है,मुनादी के उपरांत लोगों को करमा डांड में एकत्रित होने को कहा जाता है। गाँव का कोटवार करम डार लेने के लिए जंगल जाता है एवं करम डार ले कर देवालय में पहुचता है देवालय में ग्राम बैगा के द्वारा पूजा पाठ के उपरातं गोंडवाना पब्लिक स्कूल केतका से होते हुए भव्य जाई यात्रा के साँथ सार्वजनिक करमा स्थल में पहुचता है । सार्वजनिक करमा स्थल करम देव के आगमन के पश्चात समिति के सदस्यों के द्वारा दुध से पैर धोकर स्थापन किया जाता है तथा पेन अर्जी के बाद करम कहनी सुनाया जाता है ।प्राकृतिक संरक्षण का संकल्प भी लिया जाता है । सर्वजानीक करमा तिहार भादों अँजोरी के एकादशी में ना होकर तेरस तिथि को मनाया जाता है , जिसमें आस पास के ग्रामीण जन एवं क्षेत्र के प्रतिनिधि गण शामिल होते हैं । सरगुजा की मुख्य संस्कृति का मांदर कि थाप पर नृत्य कर लोग झूम उठते हैं ।रात भर करम देव कि सेवा लया एवं लयोरो के द्वारा आत्मविभोर होकर नृत्य कर के किया जाता है ।

सुख , शांति एवं संपन्नता को समर्पित प्रकृति पर्व करमा पूजा आदिकाल से संसार में पुरखा शक्तियों का स्थान सबसे ऊंचा रहा है जो समस्त जीव जगत के कल्याण एवं उत्थान के लिए अनेकों कार्य करते हैं हमारे पूर्वजों के बताएं अनुसार सत्य मार्ग पर चलकर हम ग्रामीण

जन आदि शक्तियों की पूजा उपासना करते आए हैं हम लोग परंपरा अनुसार करमा, कठोरी, नवा, देवठान छेरता, खरबोज,मेघावर, हरेली जांवारा इत्यादि त्योहार पारंपरिक रूढ़ि प्रथा की अनुरूप पारंपरिक वेशभूषा नृत्य गान के माध्यम से मनाते आ रहे हैं।

इसी परंपरा अनुसार फसल और करम पेड़ की पूजा भांदो माह के शुक्ल पक्ष के एकादशी को मनाया जाने वाला यह करमा पर्व छत्तीसगढ़, झारखंड में मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग का प्रमुख त्योहार है गांव के समस्त लोगों द्वारा खेती-बाड़ी संपन्न कर अच्छी फसल की कामना करते हुए प्रकृति से सुख शांति एवं संपन्नता प्राप्त करने के लिए यह करमा पर्व हर्षोल्लास के साथ सभी ग्रामीण जन मांदर, झांज की थाप में करमा नृत्य कर खुशियां बांटते हैं।

प्रकृति पर्व करमा पूजा की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

इस आयोजन में विशेष सहयोग गोंडवाना पब्लिक स्कूल केतका व माँ सरस्वती समूह केतका के महिलाओं का रहता है ।

कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्र के विधायक श्री भूलन सिंह मरावी जी,ए पी सांडिल(सेवा निवृत उपायुक्त),धन साय मरावी,जनपद अध्यक्ष सूरजपुर स्वाति संत सिंह, योगेश्वरी राजवाड़े जिला सदस्य सूरजपुर ,दरोगा सिंह,शिवमंगल सिंह मरकाम एवं अन्य उपस्थित थे । आयोजन समिति के संरक्षक फुलमेत राज्यपाल कोराम(सरपंच),सहसंरक्षक बाबूलाल टेकाम, कमल कोराम,सोहन मरकाम (बैगा),बरत कोराम,उपाध्यक्ष जय प्रकाश मरकाम,कलवन पोर्ते,अनुराग उरेती,कमलेश मरकाम,गोविंद कोराम,कमलेश्वर ओरकारा,हँसू,सत्तू कोराम,हंसलाल,हितेन्द्र मरकाम,सतेंद्र टेकाम,बृजवासी मरकाम,मिलेश टेकाम,शिव,देवचंद,विजय प्रताप,भूनेश्वर मोरा,धनंजय कोराम,रामा कोराम,देवी प्रसाद,रनसाय टेकाम,जगेश्वर मरावी,गोरख,नीलेश,रानी कोराम एवं समस्त ग्राम वासी व क्षेत्र वासी उपलब्ध रहे ।।

धरमजयगढ़ में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन : जयघोष, नृत्य और भक्ति से सराबोर हुआ नगर

संवाददाता शाहनवाज़ खान
जिला ब्यूरो रायगढ़

धरमजयगढ़। गणेशोत्सव का समापन रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। विसर्जन यात्रा के दौरान नगर की सड़कों पर भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। जगह-जगह से निकली गणेश प्रतिमाओं की शोभायात्राएँ कतारबद्ध आगे बढ़ीं, जिनमें विशालकाय प्रतिमाओं से लेकर आकर्षक झाँकियाँ और सजावट लोगों का मन मोह ले रही थीं। डीजे की थाप, ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक कर्मा नृत्य की लय पर श्रद्धालु झूमते-थिरकते नजर आए। हर गली-मोहल्ले से गूंजते ÷गणपति बप्पा मोरया÷ के जयघोष ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने गाते-बजाते और नाचते-गाते बप्पा को विदाई दी। विसर्जन मार्ग पर नगरवासियों ने जगह-जगह स्वागत द्वार और जलपान-प्रसाद की व्यवस्था की। रंग-बिरंगी रोशनी और सजावट से पूरा नगर उत्सवमय हो उठा। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी भक्तिमय माहौल में डूबे नजर आए। विसर्जन स्थल पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस व स्वयंसेवकों ने शोभायात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया। श्रद्धालुओं ने गणेश जी से सुख-समृद्धि और मंगलकामनाओं की प्रार्थना करते हुए प्रतिमाओं को जल में विसर्जित किया। कुल मिलाकर धरमजयगढ़ का गणेशोत्सव भव्यता और आस्था के साथ सम्पन्न हुआ, जिसकी स्मृतियाँ नगरवासियों के लिए लंबे समय तक यादगार रहेंगी।

* स्प्रिंग डेल एकाडेमी स्कूल कोटर में बड़े धूम धाम से मनाया गया शिक्षक दिवस ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप विद्यालय के संचालक श्री अरुणेश पाण्डेय जी प्रधानाध्यापक नृपेंद्र त्रिपाठी जी शिक्षक सत्य प्रकाश जी पाण्डेय जी, शिवम् कुमार द्विवेदी जी, संतोष कुमार गौतम जी एवं शिक्षिकाएं प्राची त्रिपाठी जी प्रियंका पाण्डेय जी, श्रिया पाण्डेय जी ,भारती पाण्डेय जी ,रुचि पाण्डेय जी , सहित समस्त शिक्षक समुदाय उपस्थित रहा। सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलित कर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की चित्र पर माल्यार्पण करते हुए छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यालय के संचालक महोदय अरुणेश पाण्डेय जी ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के विषय में विस्तार से बताया तथा उनके मार्गदर्शन पर चलने का अनुग्रह किया, इसी क्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक नृपेंद्र त्रिपाठी ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के दर्शनशास्त्र पर विस्तृत चर्चा करते हुए उसे जीवन में धारण करने हेतु प्रेरित किया। अगले क्रम मे संस्था के सीनियर शिक्षक सत्य प्रकाश पाण्डेय जी ने शिक्षको के कर्तव्यो का बोध कराया और साथ ही उन्हें अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहने का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यालय के संचालक द्वारा सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओ को डायरी पेन से भेंट करके सम्मानित किया।

उद्घोष समय न्यूज़ से युवा पत्रकार शिवम कुमार द्विवेदी की रिपोर्ट।

विश्व हिन्दू परिषद् की प्रान्तीय मार्गदर्शक मण्डल बैठक सम्पन्न

धर्मांतरण और विषमता समाप्त कर हिंदू समाज को एकजुट करने का संतो ने किया आवाहन

जिला संवाददाता अमरजीत सिंह

चुनार।मिर्जापुर। विश्व हिन्दू परिषद् (विहिप) का धर्माचार्य सम्पर्क विभाग काशी प्रान्त के वार्षिक प्रान्तीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक का आयोजन रविवार को सुरभि शोध संस्थान रामबाग चुनार में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू धर्म की नित्य-नैमित्तिक उपासना और अनुष्ठानों से संबंधित आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम के बौद्धिक वक्ता केंद्रीय सहमंत्री व केंद्रीय धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने कहा की जहाँ पर धर्मांतरण की संभावना हो वहां संतों का प्रवास हो।जो किसी लोभ लालच की वजह से धर्मांतरित हो गए है वे पुनः अपने हिन्दू धर्मो में आये इस कार्यो के लिए संतो का सहयोग व आर्शीवाद आवश्यक है।नकारात्मक विचारों को बढ़ाया जा रहा है जिससे समाज में विषमता फैल रही है, जहां संत आए वहां पूज्य संतों का सहयोग व आशीर्वाद मिले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने व्यापक संपर्क का कार्यक्रम बनाया है जिसमें संपूर्ण विचार परिवार की सहभागिता होगी हिंदू धर्म की गूंज संपूर्ण दुनिया में है, शास्त्रों शास्त्र में निपुण मातृशक्ति ही राष्ट्र को विश्व गुरु बनाने की दिशा में सहायक होंगे। समाज समरस रहे, एकात्मिक अखंड रहे इसके लिए संत समाज का मार्गदर्शन करे।उन्होंने आगे सम्बोधन करते हुए कहा की संघ का शताब्दी वर्ष चल रहा है संघ ने शताब्दी वर्ष में व्यापक रूप से संपर्क करने को कार्य किया है।संघ ने पांच परिवर्तन का सूत्र दिया है कुटुंब प्रबोधन,प्लास्टिक

का बहिष्कार,स्व का स्वाभिमान के अंतर्गत अपनी भाषा, अपना वेश,अपना संस्कृति,अपने जीवन मूल्य,अपने मान बिंदु इसके लिए स्व को जागरण करना होगा।इस सबके लिए विदेश की नकल न करके स्व भाव का जागरण करना है। कुटुम्ब प्रबोधन के अंतर्गत परिवार में सभी लोग नियमित अपने त्यौहार मनाए सामूहिक भोजन करे,आपस का संवाद उत्तम करे और कुटुंब भावना जिसका ह्रास होता जा रहा हो वो पोषित हो।

चौथा नागरिक कर्तव्य है जो सरकार की संपति उसका दुरुपयोग नहीं करना कही भी चलते समय नागरिक होने का पालन करना चाहिए हमें अनुशासन में रहना चाहिए जो हमें अच्छे नागरिक होने की प्रेरणा देते है।

समाज अच्छा कैसे बने इसके लिए विचार होना चाहिए जिससे समाज संगठित हो।विहिप केंद्रीय मंत्री अशोक तिवारी ने कहा की संतो के नेतृत्व में राम मंदिर का निर्माण एक महत्वपूर्ण कार्य है।सीता नवमी के दिन अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण का कार्यकम होगा।विहिप के द्वारा सप्ताहिक सत्संग के कार्य चलते है।विहिप युवाओं के बीच में बजरंग दल का कार्य चलता है।सेवा विभाग के द्वारा छात्रावास, कला केन्द्र,गौशाला जैसे अनेकों कार्य चल रहा है।विगत रामनवमी पर विभिन्न स्थानों पर 75 हजार जगहों पर आयोजन हुए।

कबीर मठ लहरतारा के महाराज गोविंद दास ने संबोधित करते हुए कहा की हिन्दू समाज संगठित होकर धार्मिक कार्यो में बढ़े।जब हमने इस शरीर को धारण कर लिया तो परेशानियों का आगमन होगा हमें इस समस्याओं से खुद निवारण करना होगा।हम सभी हिन्दू जनमानस को हिन्दू परिवार में कम से कम तीन बच्चों को उत्पन्न करना चाहिए जिससे हिन्दू जनसंख्या में कमी न हो। साध्वी गीता माँ ने कहा की आज हमारे हिन्दू धर्म की ध्वनि उठ रही है।हमारे घर की बेटियों को संस्कारवान के अलावा शास्त्र के साथ ही साथ शस्त्र की शिक्षा देनी चाहिए।सनातनी शक्ति ने अनेकों बार सत्य की स्थापना हुई है।सनातन धर्म हमें सदा अग्रणी बनाता है।

स्वामी शिवधारी महाराज ने कहा की वाणी व कर्म में समानता होनी चाहिए।शब्द ब्रह्म होती है जो एक बार निकलने के उपरांत अपना असर ही करती है। हमारी कमियों को विधर्मी सदा अपने उपयोग में लाकर द्वेष फैला रहे है। धर्म कहता है की जो अपराधी हो उसका परित्याग होना चाहिए।धर्म व संविधान का समन्वय होना चाहिए। स्वामी सुदर्शन महाराज ने कहा की जब अंग्रेजों के शासन चल रहा था तब रामकृष्ण गोखले ने हिन्दू धर्म ध्वजा का उत्थान किया।विहिप का आदर्श है की कोई भी हिन्दू अछूत नहीं है सभी हिन्दू सहोदर आपस में भाई भाई है। स्वामी बालक दास महाराज ने कहा की सभी हिन्दू परिस्थितियों को देखते हुए धरातल पर आपसी रूप से संगठित हो।बिना एक दूसरे के कोई चल नहीं सकता है इसलिए हम सभी को आपस में एक साथ चलने की परम्परा बनानी चाहिए।स्वामी कृष्णानंद महाराज कैलाश आश्रम झूसी ने कहा की सभी को आपसी प्रेम भाव से राष्ट्र उत्थान के लिए आगे बढ़ना चाहिए। साध्वी माँ त्रिकाल भवंता ने कहा की दुख देने से दुख मिलता है सुख देने से सुख मिलता है।हमें समाज को समरसता बनाए रखना चाहिए।जब जब भगवान के ऊपर कष्ट हुआ या धर्म की हानि हुई तो विभिन्न रूपों में प्रकट हुई और सभी का नाश किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी रामाश्रम शास्त्री महाराज व संचालन प्रान्त धर्माचार्य संपर्क प्रमुख आद्या शंकर ने किया। इस दौरान संतो में मीरजापुर से आये संत नरसिंह कुटी मीरजापुर से गिरधारी महाराज, बदवरा नाथ आश्रम से महाराज महेन्द्र नाथ गिरी,महाराज शक्तिपुरी,महाराज कमलनयन, विष्णुहरिदास, वीरेन्द्र दास,प्रयाग विभाग से पूज्य स्वामी रमण महाराज,स्वामी प्रमोदानंद महाराज,आचार्य आलोक शुक्ला,आचार्य पंकज शरण,स्वामी रामचंद्र दास,महंत सुदर्शन महाराज,

वाराणसी से स्वामी गोविंद दास,स्वामी प्रहलाद दास,स्वामी यतींदानंद,बाबा शिवानंद महाराज,महाराज भरत रहे। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री व केंद्रीय सह धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख हरिशंकर,क्षेत्र धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख जितेंद्र, प्रान्त संगठन मंत्री नितिन भारत, प्रान्त सहमंत्री सत्यप्रकाश,प्रान्त सह धर्माचार्य सम्पर्क आनन्द, प्रान्त धर्मप्रसार प्रमुख नर सिंह,विभाग मंत्री रामचंद्र शुक्ला,विभाग संयोजक प्रवीण,विभाग संगठन मंत्री अमित,जिला मंत्री कृष्ण,जिला सहमंत्री अभय,जिला धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख डॉक्टर संतोष, जिलाध्यक्ष चुनार दिनेश,जिला संगठन मंत्री विवेक,अर्जुन मौर्य,वंशीधर चतुर्वेदी,सुनील गुप्ता व अन्य लोग उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश में खाद पर खटपट : 3.5 लाख टन यूरिया की कमी

जबलपुर/प्रतिनिधि। मध्य प्रदेश में खाद पर खटपट की खबरें आए दिन किसी न किसी जिले से सामने आ रही हैं। कहीं किसानों की लंबी-लंबी लाइन लग रही है तो कहीं खाद न मिलने से नाराज किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में सवाल यही उठ रहा है कि क्या प्रदेश में खाद की कमी हैं? वर्तमान हालात को देखें तो इसका जवाब हां हो सकता है, लेकिन खाद की किल्लत के पीछे एक बड़ा कारण भी सामने आया है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में सोयाबीन का रकबा घट गया और मक्का का रकबा पांच लाख हेक्टेयर बढ़ गया है, जिससे प्रदेश में यूरिया की मांग बढ़ गई है। यही कारण है कि प्रदेश के किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रहा है। सितंबर महीने में करीब साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन खाद की कमी है। हालांकि, अधिकारियों का दावा है कि अगले 24 दिन में किसानों की मांग के अनुसार खाद उपलब्ध हो जाएगी।

खाद की किल्लत के कारण प्रदेश के कई जिलों के किसानों में आक्रोश है। कई जिलों में आए दिन प्रदर्शन भी हो रही है। घंटों लाइन में लगने के बाद भी किसान खाली हाथ लौट रहे हैं। खाद की कमी के कारण ही भिंड में विधायक और कलेक्टर आमने-सामने आ गए थे। वहीं, इससे जुड़ी शिकायतें भी लगातार प्रशासन और सरकार के पास पहुंच रही हैं।

एक लाख टन मांग बढ़ी, वितरण भी ठीक नहीं

%अमर उजाला% ने खाद की कमी को लेकर पड़ताल की, जिसमें सामने आया कि इस साल प्रदेश में मक्का का रकबा बढ़ने से यूरिया की मांग 1 लाख मीट्रिक टन बढ़ गई है। ऐसे में कई जिलों में मांग के अनुसार समय पर खाद पहुंच नहीं पा रही है। वहीं, जिन जिलों में खाद उपलब्ध है वहां इसका वितरण ठीक से नहीं हो पा रहा है। इन दो कारणों से ही जिलों में खाद के लिए मारामारी की स्थिति बन रही है।

पांच लाख हेक्टेयर में बढ़ी मक्का की बोआई

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस बार मक्का और धान के

रकबे में वृद्धि होने से यूरिया की मांग अचानक बढ़ी। वर्ष 2025-26 में मक्का का रकबा 20.8 लाख हेक्टेयर हो गया, जबकि पिछले साल यह 15.3 लाख हेक्टेयर था। वहीं, धान का क्षेत्र भी 36.20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 36.32 लाख हेक्टेयर हो गया। इसके उलट सोयाबीन की बोआई में कुछ गिरावट आई है। इस बार 51.20 लाख हेक्टेयर में सोयाबीन की बोआई हुई है, जबकि पिछले साल यह 53.85 लाख हेक्टेयर में हुई थी। सोयाबीन की तुलना में मक्का में अधिक यूरिया का उपयोग होता है, इसी कारण मांग में उछाल आया है।

सितंबर में तीन लाख मीट्रिक टन की कमी

सितंबर 2025 महीने में प्रदेश में करीब चार लाख मीट्रिक टन यूरिया की मांग दर्ज हुई है। छह सितंबर तक सिर्फ 60 हजार मीट्रिक टन की ही आपूर्ति हुई है, बाकी खाद 25 दिनों में बाकी आने का भरोसा दिया जा रहा है। इसी तरह पिछले महीनों में भी यह कमी रही, इसके कारण किसान सड़कों पर आ गए। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार एक लाख मीट्रिक टन अधिक यूरिया की आवश्यकता पड़ी है, इससे कृषि विभाग के सारे अनुमान गड़बड़ा गए है।

जिलों में ज्यादा बढ़ा मक्का का रकबा

कृषि विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के शिवपुरी, गुना, विदिशा, नर्मदापुरम, हरदा, सिंगरौली, खरगोन, बड़वानी, खंडवा, देवास, अशोकनगर, सागर और दमोह जिले में मक्का का रकबा उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। वहीं, धान का रकबा श्योपुर, भिंड, ग्वालियर, शिवपुरी और अशोकनगर में धान की बोआई का क्षेत्र बढ़ा है।

जानें, खाद वितरण की व्यवस्था

केंद्र सरकार की तरफ से राज्यों को यूरिया आवंटित किया जाता है। इस आवंटित मात्रा में से 30 प्रतिशत हिस्सा निजी दुकानदारों को चला जाता है। बाकी 70 प्रतिशत में से 35 प्रतिशत सहकारी समितियों को और 35 प्रतिशत डबल लॉक यानी मार्कफेड और एमपी एग्रो को चला जाता है। इनके सेंटर जिला स्तर पर पांच या छह होते हैं, जहां खाद लेने वाले किसानों की लंबी लाइनें लग जाती हैं।

पर्याप्त आपूर्ति हो रही

प्रदेश में खाद में मचे घमासान पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खाद वितरण में किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कई जिलों में कंपनियों की लापरवाही से किसानों को परेशानी हुई है, जिनके खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में खाद की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है। डीएपी, यूरिया और एनपीके की उपलब्धता पिछले साल की तुलना में अधिक है। यदि किसी क्षेत्र में कमी है तो वितरण व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और कालाबाजारी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

जिला नहीं चला पा रहे तो बता दें कलेक्टर

बीते दिनों प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने भोपाल में खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टरों को जमकर फटकार लगाई थी। उनका कहना था कि इस बार प्रदेश में पिछले साल से अधिक खाद आई है, फिर भी किसानों को समस्या हो रही है। खाद वितरण व्यवस्था की जिम्मेदारी कलेक्टरों की है, अगर वे इसे नहीं संभाल पा रहे हैं तो इसका मतलब है कि उन्हें जिला चलाना नहीं आता है। ऐसा है तो वे बता दें, हम दूसरी व्यवस्था करेंगे।

20 बोरी की थी जरुरत, आठ बोरी ही मिल पाई

श्याम लाल पटेल, किसान, बरूड = 11 एकड़ भूमि है। इसमें 3 एकड़ मक्का है। शेष में अन्य फसलों लगी हैं। यूरिया की जरूरत कम से कम 20 बोरी की थी। लेकिन सिर्फ आठ बोरी मिली है। मक्का के लिए तो मिली ही नहीं।

खाद नहीं मिली तो लगाएंगे ताले

संयुक्त कृषक संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल कहते हैं कि सहकारी केंद्रों पर किसानों पर्याप्त खाद नहीं मिल रही है। सोसायटियों में खाद नहीं आ रही है। यही हाल रहा तो संगठन सोसायटियों में ताला लगाने का का काम करेगा।

सोसायटियों की डिमांड तक पूरी नहीं

भारतीय किसान संघ के जिला महामंत्री सुभाष पटेल कहते हैं कि किसानों को खाद नहीं मिल रही है। यहां तक सोसायटी में रेगुलर सदस्य भी परेशान हैं। सोसाइटियों की डिमांड तक पूरी नहीं हो रही। मार्कफेड भी पर्याप्त नहीं मिली। खाद की रैक आ रही है। जब सोसायटी में नहीं है तो कहां जा रही है। जवाब नहीं मिला तो आंदोलन करेंगे। किसानों की रिपोर्ट के अनुसार खार कला सोसायटी को डेढ़ माह बाद सिर्फ डीएपी 25 टन और 27 टन एनपीके मिली है। बरुडभोजाखेडी में 650 किसान रेगुलर किसान हैं। इस सोसायटी में अभी तक 400 बोरी खाद मिली है। जबकि डिमांड तीन गुना है। ये कहानी अकेले यहां की नहीं अधिकतर सोसायटी की है।

रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया मोबाइल चोर, 3 मोबाइल, बोलेरो सहित 10.64 लाख का सामान जब्त

जबलपुर/प्रतिनिधि। गणेश विसर्जन की भीड़ का फायदा उठाकर रेलवे स्टेशन पर चोरी करने की फिराक में घूम रहे एक शातिर चोर को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने चोरी के तीन मोबाइल फोन, 4000 नगद व एक बोलेरो कार जब्त की है, जिसकी कुल कीमत 10। 64 लाख रुपए है। आरोपी का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उससे अन्य चोरी के मामलों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 5 सितंबर को गणेश विसर्जन की भीड़ के चलते प्लेटफार्म नंबर एक पर विशेष चेकिंग चलाई जा रही थी। इसी दौरान इटारसी छोर पर एक युवक पुलिस को देखकर छिपने की कोशिश करने लगा। उसकी संदिग्ध हरकतों को देख पुलिस ने तत्काल हिरासत में ले लिया। थाना लाकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम विलास गुप्ता 28 वर्ष निवासी रोशन नगर कटनी बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से अलग-अलग कंपनियों के तीन मोबाइल फोन और 4000 नकद मिले।

जब इन सामानों के बारे में पूछा गया तो उसने इन्हें चोरी का बताया। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि आरोपी के पास से एक महिंद्रा बोलेरो कार भी

मिली, जो उसने रेलवे स्टेशन से ही चोरी की थी। आरोपी ने बताया कि वह चोरी का सामान बेचकर पैसे कमाने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी विलास गुप्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने बताया कि आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है और उससे अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

शादी के तीन माह बाद महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजन बोले दहेज न मिलने पर मारा है

जबलपुर/प्रतिनिधि। जबलपुर स्थित पनागर के ग्राम रैपुरा में एक नवविवाहिता महिमा पटेल की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिमा की शादी 13 मई को रैपुरा निवासी अंकित कुशवाहा से हुई थी। घटना को लेकर महिला के परिजनों ने आरोप लगाया है कि दहेज के लिए प्रताड़ित करते रहे, उन्होने ही हत्या की है।

महिमा की बहन कीर्ति पटेल का कहना था कि महिमा और अंकित के बीच प्रेम संबंध थे, दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे, पहले परिजन तैयार नहीं थे लेकिन बाद में दोनों परिवारों की सहमति से महिला व अंकित की शादी हो गई। परिजनों का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही महिमा को ससुराल में प्रताड़ित किया जाने लगा था। इस बीच दोपहर 3 बजे के

लगभग महिमा के ससुराल वालों ने उसके भाई को सिर्फ इतना फोन किया कि महिमा की तबीयत खराब है और वह मेडिकल कॉलेज आ जाए। जब परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंचे तो पता चला कि महिमा की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट व जांच में जो भी तथ्य सामने आएगे उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

परिजन ने कहा शरीर पर थे चोट के निशान-

महिमा के भाई और चाची किरण कुशवाहा ने बताया कि महिमा के शरीर पर चोट के निशान थे। उसका पूरा शरीर नीला पड़ा हुआ था, नाक व होंठ पर भी चोट के निशान थे, मुंह से खून आने के निशान भी थे। परिजनों का आरोप है कि ये सभी निशान मारपीट की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने बताया कि शादी से पहले भी ससुराल वालों ने लगुन लौटा दी थी और 50000 की मांग की थी।

कार ने बाइक को टक्कर मारी, मां-बेटे समेत 3 की मौत

4 घायलों में से 3 गंभीर

जबलपुर/प्रतिनिधि। मध्य प्रदेश के जबलपुर मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर पाटन-शहपुरा रोड पर शनिवार 6 सितम्बर की देर रात तेज रफ्तार क्रेटा कार ने बाइक को टक्कर मार दी. हादसे में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई. चार गंभीर हैं. पुलिस के मुताबिक, शहपुरा निवासी शकीला बी (45) अपने बेटों- रमजान उर्फ शोहेब (19) और फैजान (12) के साथ बाइक नंबर एमपी20 एमडी 9473 से पाटन गई थी. रात को लौटते समय ग्वारी गांव के पास पीछे से आ रही सफेद क्रेटा कार नंबर एमपी20 जेडएन 8904 ने बाइक को टक्कर मार दी.

हादसे में शकीला बी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि फैजान ने रविवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.

पैदल जा रही फागनी बाई (60) भी हादसे का शिकार हुई है. उसका शव रविवार सुबह घटनास्थल पर तलाशी के दौरान नाले से मिला. वह ग्वारी गांव की रहने वाली थी. क्रेटा चालक लखन सिंह समेत चार लोग घायल हैं, जिन्हें जबलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक लोहे की रेलिंग से टकराकर चकनाचूर हो गई.

20 फीट गहरे नाले में मिला महिला का शव

सूचना मिलते ही पाटन पुलिस मौके पर पहुंची. घायलों को अस्पताल और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा. रविवार सुबह एसडीओपी लोकेश डाबर निरीक्षण करने पहुंचे तो फागनी बाई का शव 20 फीट गहरे नाले में मिला. परिजन ने बताया कि वह शनिवार रात किसी काम से पाटन गई थी. देर रात तक घर नहीं लौटी थी.

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा- टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए. अगर सड़क किनारे लोहे की रेलिंग नहीं होती तो कार सीधे नाले में गिर जाती और उसमें सवार लोगों की जान बचना मुश्किल था. बता दें कि अस्पताल में भर्ती चार में से तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है.

कटनी पुलिस के हत्थे चढ़ा जबलपुर का कुख्यात बदमाश, एक और शातिर शोभित सिह भी पकड़ा गया

जबलपुर/ कटनी। रीठी पुलिस ने दो कुख्यात बदमाशों को उस वक्त पकड़ा है, जब वे किसी वारदात को अंजाम देने के लिए देर रात घूम रहे थे। पुलिस को पकड़े गए बदमाशों के पास से कट्टे व जिंदा कारतूस मिले है। पकड़े गए बदमाशों ने एक जबलपुर का रहने वाला कुख्यात हरीश पेसवानी है, दूसरी शोभित सिंह है। कटनी पुलिस के अनुसार रामनगर अधारताल निवासी हरीश पिता सीवनदास पेसवानी उम्र 39 वर्ष कटनी के रीठी स्थित ग्राम घनिया में अपराधिक वारदात करने के लिए आया था। इस बात की खबर मिलते ही रीठी पुलिस ने गांव में घेराबंदी करते हुए हरीश को पकड़ लिया, जिसकी तलाशी लेने पर 315 बोर का देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस मिला। इसके बादपुलिस को खबर मिली कि हरद्वारा का शोभित सिंह भी वारदात करने के लिए आया है, पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरु कर दी है कि उक्त हथियार कहां से आए है और वे यहां पर किस काम से आए थे।

ट्रक अनियंत्रित होकर पुल पर लटका, एक की मौत, ड्राइवर-कंडेक्टर फंसे रहे

जबलपुर। मंडला से जबलपुर आ रहा एक ट्रक नारायणगंज के पास बालई नदी के पुल पर अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए लटक गया। देर रात हुई घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और लोगों की मदद से ट्रक में फंसे ड्राइवर व कंडेक्टर को निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मंडला से मॉल लोड कर ट्रक जबलपुर के लिए रवाना हुआ। ट्रक जब नारायणगंज बालई नदी पुल से आगे बढ़ रहा था, तभी ट्रक का टायर फटने ट्रक अनियंत्रित हो गया और एक राहगीर को कुचलते हुए रेलिंग से टकराकर लटक गया। रेलिंग पर लटके ट्रक के अंदर चालक व परिचालक फंसे रहे। राह चलते वाहन चालकों ने देखा तो वे भी रुक गए, जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को किसी तरह निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद पुल पर जाम के हालात निर्मित हो गए थे। दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाइन लगी रही। पुलिस ने केन की मदद से ट्रक को निकाला। इसके बाद जबलपुर-मंडला रोड पर यातायात शुरु हो सका।

अस्पताल संचालक अमित खरे गिरफ्तार, पत्रकार पर साथियों के साथ मिलकर किया था हमला

जबलपुर/प्रतिनिधि। जबलपुर में खबर छापने से नाराज एक अस्पताल संचालक ने गुर्गो के साथ मिलकर एक पत्रकार पर जानलेवा हमला कर दिया। करीब एक सप्ताह से फरार मास्टरमाइंड अमित खरे को पुलिस ने सागर से गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी साली के घर पर छिपकर रह रहा था। इससे पहले गढ़ा थाना पुलिस ने सुनील सेन पर प्राणघातक हमला करने वाले दो आरोपियों को पहले ही पकड़ लिया था।

दरअसल अमित खरे के अस्पताल में मरीजों के साथ हो रहे खिलवाड़ और इलाज के नाम पर अधिक वसूली की जा रही थी। जिसकी जानकारी पत्रकार सुनील सेन को लगी तो उन्होंने अपने पोर्टल में एक के बाद एक खबर छापी। जिससे नाराज होकर आरोपी अस्पताल संचालक ने अपने गुर्गो के साथ मिलकर लाठी, डंडे से मारपीट की और सड़क पर गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने सुनील को इलाज के लिए

निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। शहर के सूपाताल सहित अलग-अलग इलाकों में अमित खरे ने कई बार अलग-अलग नामों से अस्पताल खोले, लेकिन हर बार लापरवाही और गलत इलाज को लेकर यह अस्पताल सुर्खियों में रहा है। हाल ही में पत्रकार सुनील को पता चला कि अस्पताल में मरीजों के साथ मारपीट की जाती है, बाइपास पर खड़े होकर एम्बुलेंस को रोका जाता है और जबरन मरीजों को अपने अस्पताल ले जाया जाता है। जो ड्राइवर बात नहीं मानतेए उनके साथ मारपीट और धमकी देने का काम किया जाता था। पत्रकार ने जब उसके अवैध कामों के खिलाफ लिखना शुरू किया तो पहले अमित खरे ने उसे धमकाया। इस पर बात नहीं बनी तो अपने साथियों के साथ मिलकर सरेराह मारपीट की।

साले के साथ मिलकर बनाया प्लान

सुनील सेन ने जब अमित खरे की बात नहीं मानी तो उसने अपने साले तरुण ठाकुर, मोनू खटीक, राज उपाध्याय और यशवंत के साथ मिलकर जान से मारने का प्लान बनाया। 29 और 30 तारीख की दरमियानी रात पत्रकार सुनील जब किसी काम से वापस बाइक से घर लौट रहा था। तभी सिंघई पेट्रोल पंप के पास घात लगाए बैठे अमित खरे ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। इस घटना में सुनील के सिर, हाथ व कमर में गंभीर चोटें आई। सुनील ने पुलिस को बताया कि पिस्टलए लाठी और बेसबॉल से लैस बदमाशों ने हमला किया था। हालांकि उन्होंने फायरिंग नहीं की।

साली के घर छिपा मिला आरोपी अमित

घटना की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में पत्रकार और गढ़ा पुलिस घायल सुनील का हाल जानने अस्पताल पहुंचे थे। बयान दर्ज करने के बाद गढ़ा थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा लगाते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। घटना के दो दिन के भीतर पुलिस ने मोनू और राज को गिरफ्तार कर लिया थाए लेकिन मास्टरमाइंड अमित दो अन्य साथियों के साथ फरार था। देर रात जानकारी मिली कि अमित सागर में अपनी साली के घर पर छिपा हुआ है। तुरंत पुलिस मौके के लिए रवाना हुई और अमित खरे को हिरासत में लेकर जबलपुर लाई।

दो अन्य हैं फरार, तलाश जारी

सीएसपी गढ़ा आशीष जैन ने बताया कि सुनील सेन पर हमला करने वाले पांच में से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। तरुणए जो अमित का साला है और यशवंत अभी फरार हैं। पुलिस उनकी लगातार तलाश कर रही है और जल्द ही वे भी गिरफ्त में होंगे। घायल पत्रकार की हालत अब खतरे से बाहर है, उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक अंकित शर्मा, संपादक शीलू शर्मा द्वारा जवाहर नगर गाली नं. 10 सतना से प्रकाशित तथा अंकित शर्मा द्वारा कोरल ऑफसेट सतना द्वारा मुद्रीत करवाकर प्रकाशित।
समस्त न्याय क्षेत्र सतना होगा। Mail id : udghoshsamay@gmail.com Mob. 7987290705